कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–011

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.वी.एस.–011 : वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवं इतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* 3×20=60

1. वास्तुशास्त्र की अवधारणा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. पठित अंश के आधार पर वास्तुशास्त्र के मानक ग्रन्थों का वर्णन कीजिए।

3. वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिषशास्त्र के सम्बन्धों की विवेचना कीजिए।

4. पुराणों में प्राप्त वास्तुशास्त्र के तत्वों का स्वरूपात्मक वर्णन कीजिए।

5. महाभारत एवं अर्थशास्त्र में किस प्रकार वास्तुशास्त्र के तत्व विद्यमान हं ? वर्णन कीजिए।

6. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तकों का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* $4 \times 10 = 40$

1. संक्षेप में वास्तु के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

2. रामायण में प्राप्त वास्तुशास्त्रीय तत्वों का वर्णन कीजिए।

3. क्या वेद में भी वास्तुशास्त्र का वर्णन है ? उल्लेख कीजिए।

4. वास्तुशास्त्र के किन्हीं दो आचार्यों का संक्षेप में परिचय लिखिए।

5. प्राचीन भारतीय वास्तुकला का संक्षप में वर्णन कीजिए।

6. भारत के अतिरिक्त पाश्चात्य वास्तु **अथवा** पठित अंश पर आधारित अन्य वस्तु परम्परा का उल्लेख कीजिए।

7. वास्तुशास्त्र का पंचमहाभूतों से क्या सम्बन्ध है ? उल्लेख कीजिए।

8. वास्तु के सन्दर्भ में देश की अवधारणा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

अथवा

वास्तुशास्त्र में प्राकृतिक शक्तियों का क्या सन्दर्भ है ? उल्लेख कीजिए।